जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

26 जनवरी 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने देशभक्ति की उमंग, जोश और विकसित भारत की भावना के साथ मनाया 75वां गणतंत्र दिवस

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने आज 75वां गणतंत्र दिवस बड़ी उमंग, जोश और देशभक्तिपूर्ण उत्साह के साथ मनाया। समारोह के मुख्य अतिथि जामिया के कुलपति प्रो. इकबाल हुसैन द्वारा विश्वविद्यालय के डॉ. एम. ए. अंसारी सभागार के लॉन में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ उत्सव की शुरुआत हुई। तिरंगे को फहराने के बाद राष्ट्रगान गाया गया, जिसमें एनसीसी कैडेट, एनएसएस स्वयंसेवक, विश्वविद्यालय के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी शामिल थे, जो कंपकंपाती ठंड और कोहरे के बावजूद बड़ी संख्या में गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल हुए।

राष्ट्रगान के बाद का. कुलपति ने हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषा में विकसित भारत की प्रतिज्ञा दिलाई गई।

डॉ. एम.ए. अंसारी ऑडिटोरियम के अंदर, गणतंत्र दिवस समारोह की शुरुआत तिलावत-ए-कुरान के साथ हुई, जिसके बाद छात्रों ने जामिया तराना गाया। प्रोफेसर सीमी फरहत बसीर ने सभागार के अंदर मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का औपचारिक रूप से स्वागत किया, जिसके बाद विश्वविद्यालय के एक छात्र ने बहुत ही ऊर्जावान भाषण दिया।

अपने संबोधन में का. कुलपति प्रो. इकबाल हुसैन ने आजादी हासिल करने और भारत को एक मजबूत स्वतंत्र गणराज्य बनाने के लिए स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में जामिया के संस्थापकों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि बहुत ही विनम्र शुरुआत से, जेएमआई आज देश के शीर्ष संस्थानों में से एक है और इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस की मान्यता प्राप्त करने का इच्छुक है।

"आज, हमने विकसित भारत के लिए जीवन के सभी पहलुओं में गुणवत्ता के लिए प्रयास करने, स्वच्छ और बेहतर गुणवत्ता वाले भारत के लिए चेतना को बढ़ावा देने, 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को अपनाने और बढ़ावा देने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले स्वदेशी उत्पादों का समर्थन करने का संकल्प लिया है। और आत्मनिर्भरता, नवाचार, अखंडता और निरंतर सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए दूसरों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है", कुलपति ने कहा।

प्रो. इकबाल ने कहा, "आइए हम अधिक समावेशी और न्यायसंगत समाज के लिए मिलकर काम करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें, जहां हमारे संविधान के सिद्धांत सिर्फ कागज पर नहीं बल्कि वास्तविकता में हैं। आइए हम इस दिन को बहुत खुशी और गर्व के साथ मनाएं और एक अच्छा नागरिक बनने का वादा करें।" का. कुलपति के संबोधन के बाद जामिया के विभिन्न स्कूलों के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

जामिया के रजिस्ट्रार प्रोफेसर नाज़िम हुसैन जाफ़री ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का समापन उपस्थित जनसमूह द्वारा राष्ट्रगान के साथ हुआ।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. इकबाल हुसैन ने विश्वविद्यालय की एम.एफ. हुसैन आर्ट गैलरी में द विजन"- एन एक्जीबिशन ऑन प्रोग्रेसिव स्टोरी ऑफ एजुकेशन एंड विकीसित भारत@2047" प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान जामिया के ललित कला संकाय की डीन, प्रोफेसर बिंदुलिका शर्मा तथा अन्य डीन और सम्मानित अतिथि उपस्थित थे।

यह प्रदर्शनी पेंटिंग, मूर्तियां, प्रिंट, नक़्क़ाशी और टेपेस्ट्री जैसी दृश्य कलाओं की विशिष्ट गुणवत्ता पर प्रकाश डालती है जिसका विषय भारत के विकास पर केंद्रित है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया